सूचना

दिनांक – 29/07/2019

महोदय/महोदया,

हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बिधानचंद्र कॉलेज, आसनसोल द्वारा 'प्रेमचंद जयन्ती' का आयोजन किया गया है। इस उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल के आंचलिक कथाकार शिव कुमार यादव जी शामिल होंगे। प्रस्तुत कार्यक्रम में विचार–विमर्श के साथ आप सभी सादर आमंत्रित है।

दिनांक – 05 अगस्त 2019

समय – दोपहर 12 बजे से

स्थान – सेमिनार हॉल, बिधानचंद्र कॉलेज

आयोजक – हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज

संयोजक

डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय

प्राचार्य, बिधानचंद्र कॉलेज,

आसनसोल

Principal
Bidhan Chandra College
Govt. Sponsored
P.O, Asansol, Dist- Burdwan

दिनांक - 5/08/19.

दिनांक 5/08/19 को हिन्दी विभाग, उर्दू विभाग ने एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसका विषय है। - "प्रेमचंद जयन्ती" इस सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल के आंचलिक कथाकार 'शिव कुमार यादव' जी शामिल हुए है। सेमिनार 12 बजे से 4 बजे तक चला। जिसमें विभाग के सभी अध्यापकों और छात्रों की भागीदारी और सहयोग अतुलनीय रहा।

* छात्रों की तरफ से सभी वक्ताओं से प्रश्नोत्तर हुआ।
* प्रेमचन्द जी पर अध्यापकों के मत-मतान्तर से अनेक सवालों के उत्तर साफ हुए।
* इस आयोजन में कॉलेज के अध्यापकों की भागीदारी और सहयोग सराहनीय रहा।

अध्यापकों के नाम हस्ताक्षर

1. रिंकू शाह - R. Shah
2. निशिकान्त तिवारी - [signature]
3. मौसमी सिंह - मौसमी सिंह
4. आलम शेख - [signature]

[signature]
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

छात्र - छात्राओं के नाम

1. काजल कुमारी वर्मा
2. सुईटी कुमारी वर्मा
3. प्रशान्त प्रसाद
4. विशारवा ठाकुर
5. शिखा वर्णवाल
6. सबीहा बादशाह
7) प्रिती कुमारी रजक
8) अंजली कुमारी साव
9) आरती कुमारी
10) चैताली शर्मा
11) शिखा गिरी
12) अमिता भक्त
13) सुमन प्रसाद
14) सबनम खातुन
15) जुली कुमारी
16) जिया कुमारी
17) ग्लोरिया सिरिल
18) खुशबू कुमारी
19) सुधानी कुमारी राजभर
20) संध्या सिंह
21) अर्पणा कुमारी बर्नवाल
22) ईशा शर्मा
23) अबीश कुमार साव
24) अतुल बरनवाल
25) रितीक शर्मा
26) दुर्गेन्द्र प्रसाद
27) प्रियंका साव
28) सुप्रिया तिवारी
29) मेघा श्रेष्ठा
30) रोशनी कुमारी शर्मा
31) सोनम पाण्डेय
32) सुनिधी कुमारी सिंह
33) तमन्नीया रजक
34) प्रिती कुमारी साव
35) सिमरन परवीन
36) चंदन सिंह
37) Shama Parween.
38) रूपकार शर्मा
39) Hritik Shaw
40) प्रियांशु कुमार प्रसाद
41) रुचि कुमारी
42) सिमरन कुमारी
43) रौनक प्रवीन
44) दिशा कुमारी साव
45) अंजली राय
46) निशा कुमारी मंडल
47) राजन कुमार शर्मा
48) मासूम राजा
49) दिपीका कुमारी दास
50) दिपक यादव
51) आरियन प्रसाद
52) बरसा प्रसाद
53) लक्ष्मी कुमारी
54) हरमनदीप कौर
55) शिल्पा प्रसाद
56) Natish Mallick
57) Ayesha Zarine.
58) सजना साव
59) Subham Prasad
60) Suraj Mahato

अध्यापकों के नाम	हस्ताक्षर
1. ~~रिंकु शाह~~	R. Shah
2. ~~गिरि कांत तिवारी~~	[signature] Tiwari
3. Md. Tanweer	Mtanw
4. मौसमी सिंह	M. Singh
5. Manju Gorai	M Gorai
6. Sohana Parween	Parw
7. SABA PARWEEN	Saba Parween
8. [illegible]	[signature]
9. Md. Shakil Ahmad Khan	[signature]
10. Dr. Arup Ratan Basak	Arup R. Basak
11. Rajdip Chatterjee	Chat...
12. Amitabha Tribedi	A. Tri
13. Dipankar Arosh	[signature]
14. Saumen Chakraborty	[signature]

रिपोर्ट

'प्रेमचंद जयन्ती'

हिन्दी विभाग/उर्दू विभाग बिधानचंद्र कॉलेज, आसनसोल के सभागार में दिनांक 05–08–2019 को 'प्रेमचंद जयंती' के अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य रूप से दोनों विभागों के अध्यापकों और छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इसकी अध्यक्षता हिन्दी के आंचलिक कथाकार शिवकुमार यादव जी ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वागत भाषण हमारें कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने छात्रों से कलम के सिपाही प्रेमचन्द के जीवन और साहित्य से प्रेरणा और प्रोत्साहन लेने की बात करते हुए कहा कि आप भी देश और समाज को बदलने की भूमिका निभा सकते हैं। इसमें हमारी सहभागिता सदैव आप के साथ रहेगी।

डॉ. शकील अहमद खान ने प्रेमचंद को हिन्दी–उर्दू की साझी विरासत का महान कथाकार कहा, जिन्होंने अपने पूर्व की ऐयारी, जासुसी और रोमानियत की कथा संरचना से अलग करते हुए अपने समय समाज के यथार्थ से रूबरू कराया। मो. तनवीर ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ, गरीबों, दलितों, उपेक्षितों की दर्द और जुल्म की एक मुकम्मल दस्तावेज है। डॉ. मौसमी सिंह ने कहा कि प्रेमचंद ने नारी जीवन की त्रासदी और साहस को अपने सम्पूर्ण कथा साहित्य में यथोचित रेखांकित किया है। डॉ. रिंकू साह ने कहा कि – प्रेमचंद की भाषा जितनी सहज है, उतनी ही मनोवैज्ञानिक है और उतनी यथार्थ एवं संवेदना युक्त भी है। यही उनकी पठनीयता और आकर्षण का राज है। डॉ. सुहाना परवीन ने कहा प्रेमचंद की 'ईदगाह' कहानी मुझे सदाबहार कहानी लगती है। यह कहानी मुझे बचपन से लेकर आज तक उसी तरह से प्रभावित–रोमांचित करती है।

छात्र–छात्राओं में उर्दू विभाग की रीना परवीन, आयशा खान, फरहा नाज और हिन्दी विभाग की लक्ष्मी कुमारी, दीक्षा वर्णवाल ने प्रेमचंद के जीवन–परिचय और साहित्य योगदान की एक संक्षिप्त रूप–रेखा प्रस्तुत किया। सुमन अग्रवाल ने प्रेमचंद के 'सेवासदन' उपन्यास में नारी के वेश्या जीवन की समस्या और प्रेमचंद के सुधारवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला। शीतल प्रसाद, आयशा खान और मनीषा कुमारी ने प्रेमचंद पर अपनी स्वरचित कविता पाठ किया।

निशीकांत तिवारी ने प्रेमचंद के साहित्य का उद्देश्य नामक आलोचनात्मक कृति पर उनके विचारों का विश्लेषण किया। डॉ. विजयनारायण ने किसान जीवन को लेकर गोस्वामी तुलसीदास और प्रेमचंद के विचारों की तुलनात्मक व्याख्या और प्रभाव का आकलन प्रस्तुत किया। शिवकुमार यादव ने अपने लेखन की प्रेरणा को प्रेमचंद और संजीव से जोड़ते हुए कहा कि प्रेमचंद और मैक्सिम गोर्की ने अपने आदर्श और यथार्थ द्वारा अपने समय–समाज और देश को आन्दोलित प्रभावित किया है। वह साहित्य के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आलम शेख ने अपनी टिप्पणीयों के साथ हँसमुख अंदाज से किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन निशीकांत तिवारी ने दिया।

'प्रेमचंद जयन्ती' छायाचित्र